राम नाम के हीरे मोती,
मैं बिखराऊँ गली गली
ले लो रे कोई राम का प्यारा,
टेर लगाऊँ गली गली ।

तेरी मेरी छोड़ दे बन्दे,
तज दे तू अभिमान को
खोटे धन्धे छोड़ दे बन्दे,
भजले सीता राम को
जगत सराय दो दिन को है,
अन्त में होगी चला चली

राम नाम के हीरे मोती,
मैं बिखराऊँ गली गली
ले लो रे कोई राम का प्यारा,
टेर लगाऊँ गली गली ।

जिस ने भी ये हीरे लूटे,
वो तो सबसे धनवान हुये ।
जो थे धन दौलत के पुजारी
अंत में वो कंगाल हुये ।

राम नाम के हीरे मोती,
मैं बिखराऊँ गली गली
ले लो रे कोई राम का प्यारा,
टेर लगाऊँ गली गली ।

राम कृष्ण और गौतम का,
इतिहास सुनाऊँ गली गली ॥